Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to provide suitable compensation to affected families who have lost life and livelihood in floods in Bihar

डॉ. मोहम्मद जावेद (किशनगंज) : महोदय, बिहार में बाढ़ से लगभग 90 लाख लोग प्रभावित हुए हैं । मेरे संसदीय क्षेत्र में महानंदा, कनकई, मेची, डोक, रतुआ, रमजान और परमान नदी के कारण कई गांवों की हजारों एकड़ जमीने और सैकड़ों घर बह गए हैं, जिसमें माली टोला, matyari, महेशबथना, निसंद्र, लौचा, तेलिभित्ता, भौल्मारा, dhariya और परसराई जैसे कई गांवों में नुकसान हुआ है । मेरी आपके माध्यम से यह अपील है कि जिनकी जमीनें कट गई हैं, या जिनको नुकसान हुआ है, उनको जमीनें उपलब्ध कराई जाएं । जिनके घरों का नुकसान हुआ है, उनको घर दिए जाएं, जिनको कैटल का नुकसान हुआ है, उनको कैटल दिया जाए और जो लोग मर गए हैं, उनके परिवार को सरकारी नौकरी दी जाए, जिनका डॉक्यूमेन्ट्स का नुकसान है, उनको सरकार की तरफ से डॉक्यूमेन्ट्स मुहैया कराए जाएं । इसके साथ ही महानंदा बेसिन प्रोजेक्ट नहीं बनने के कारण साल दर साल हमें नुकसान हो रहा है । मैं आपसे यह आग्रह करना चाहता हूं कि अगले एक-दो सालों में वह पूरा हो जाए, ताकि जो सालाना तबाही होती है, वह रुक सके ।

महोदय, मुझे आपने पिछले एक साल में लगभग तीसरी बार बोलने का मौका दिया है । मैंने आज फ्लड पर बोला है । लेकिन मुझे इस बात का अफसोस है कि न तो केन्द्र सरकार और न ही हमारी बिहार सरकार ने इसमें कोई पहल की है । मेरा आपसे यह आग्रह है कि इसमें पहल हो, जो आवाम तकलीफ में है और जो लोग बर्बाद हो गए हैं, उन तक मदद पहुंचाई जाए ।